

# بیاض قلندری

نقوش عظیمہ و خزینہ طلسمات

حصہ دوم

بحر باب اور عظیم نقوش کا خزانہ

مرتبہ و مولفہ: فیصل حمید قلندری

Free Amliyaat Books PDF

پیشکش: سعد الرحمن

بیاض قلندر کی  
لقوش عظیم و خفیت طلسمات

محبت اور عظیم لقوش کا فن (مردم)  
نہر مولدہ

شکل جدید قلندر کی

بفضل کتابی اس کتاب میں لقوش علیات اور  
طلسمات طوطہ و کبوتری و جوار و کسک کتاب  
میں ملنا مشکل ہے (اقلی) کہی ہے۔ شمار  
ذاتی استخراج شدہ محبت و محبت علیات  
و لقوش اور طلسمات میں ہے۔  
انتخاب

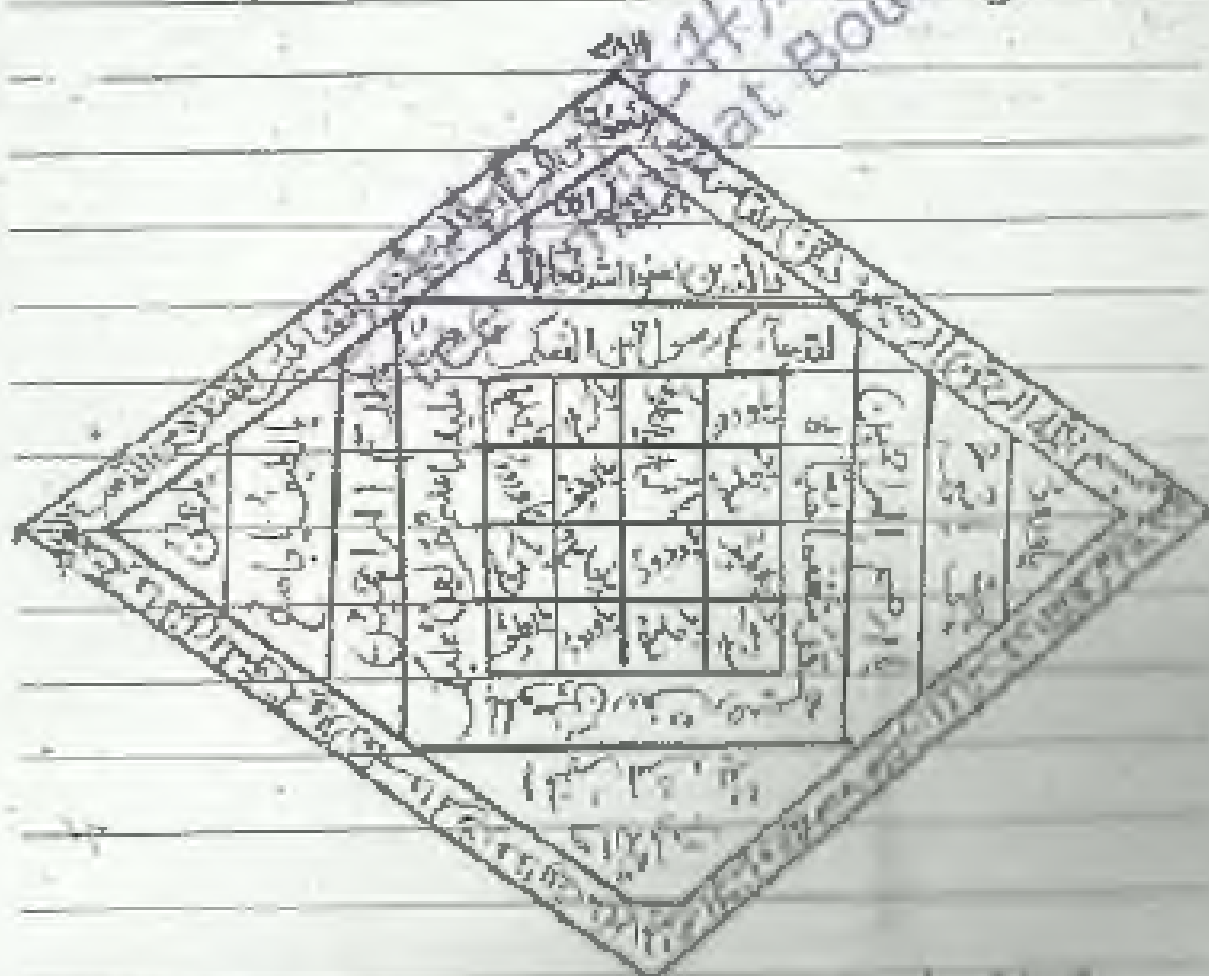
SAAD REHMAN

Free Amliyaat Books

# محبت میں کامیابی

Name: No.   
 Date:

ہماری محبت کے حصول اور کامیابی کے لیے اس تعویذ کو اپنے  
 پاس سادے دھاری رکھیں اور روزانہ اس نقش کو پڑھیں اور اس کی دعا  
 پڑھیں اور اللہ تعالیٰ سے دعا کی کہ وہ اس کی دعا قبول فرمائے اور  
 اس کی دعا قبول فرمائی اس نقش سے ہم کو کمال ملے گا اور اس کی دعا  
 میں سے ہم کو کمال ملے گا اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا  
 اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا  
 اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا  
 اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا



کہ غم دل سے دور رکھیں اور اس کی دعا میں سے ہم کو کمال ملے گا

(۱) ضرورت گاہکیت  
ہر ایک مہربانی اس کتاب کو  
نایابوں اور شریف ذہنوں سے محفوظ رکھیں  
میں میں دعا ہے کہ ان کے عقول کو ہر علم ہندو  
کیونکہ یہ علم الہیات کی روح اور نور ہیں  
ان کے نور ہر ایک کے لئے سوال نامہ رحمت ہوگا

دعا ہے کہ اس کتاب کے کسی حصہ  
کو اس سوال کے ذریعہ محترم محمد سید  
خلدزی اور میرے فیصلہ طلب کنندہ کی  
دستخط دارین کی دعا نامہ ان کے لئے  
ہر ایک اور انسان ملندہ کی کتاب کی دعا ہے  
یہ دعا کی درخواست کی ہے اور اس کتاب  
کے اس سوال کے شرف ہیں

اللہ تعالیٰ آپ کو اپنے چاہنے والوں میں  
کامیابی عطا فرمائے

آمین





لَا تَأْخُذْ بِهِنَّ يَوْمَ تَكُونُ الْأَلْبَعُ

استخراج النحاس من خاماته

اگر کسی شخص کی بیوی ایک شوہر کے حق میں ایسی کچھ کہے میں اور جو شوہر کو اس کے لئے مافوق  
درجہ بنا بیوی کا اشراف و ستاد اور شوہر کے لیے ایسی کچھ کہے تو بیوی اس (عفتش) کو اپنے پاس  
رکھ کر شوہر کے حق میں بیوی جو مرد کو چاہے کہ وہ اس (عفتش) کو ہر روز 7 مرتبہ تلاوت  
کرتے ادا کرے لکھتے ہوں کہ دل اس (عفتش) کو پانی میں ڈھول کر کہیں سبھی پھینک  
دیں بلا کہ شوہر چارے عفتش میں لاکر بیوی کو کہ بلا دے ایشا اللہ اس کی  
بیوی اس کے حق میں ایسی کچھ کہے۔

1020

[illegible]



گھر پریشانی اور مہنگے سے ختم کرنے اور خوشگوار اور مالی دولت کا گھر

[illegible]

102/101

[illegible]



۱) پسندیدم و گفتم شاید این

مجلس

[illegible]

الحمد لله الرحمن الرحيم

[illegible]







43 44 45 46 47 48

Large  $\beta$

0716

علم و دانشی خود را بشوهرت

استاذ

(اسو آفتس) کو بند کرنا۔ ایک نفس یا سوس کلس ویرا ایک کو بند کرنا۔  
 شربت یا چائے میں صدا کے محبوب کو بلا دینا، بیسید متوجہ کرنا۔  
 جنت میں رہنا سوئے کہ وہ دیر کے کسی چائے کے آلوں میں، یعنی جو دیر کے  
 بستر کو چھوئی میں رہے اور اگر مرد ہے بھولی متفقہ کہ شو بے عیب یا  
 یا وہ سرادھ لے لے (ذاتی کسی) دوسرے بستر کی طرف بہتیرے کہ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

This manuscript page features a central diamond-shaped area containing a column of Persian text. The text is written in a cursive script and is surrounded by a grid of smaller text blocks, likely marginalia or commentary. The central text appears to be a religious or philosophical treatise, mentioning figures like 'Abdullah' and 'Abdullah'. The surrounding text is also in Persian, providing additional context or explanations.



عَلَّامٌ غُيُوبٍ

۱- در هر یک از این موارد که در بالا ذکر شد  
 ۲- در هر یک از این موارد که در بالا ذکر شد  
 ۳- در هر یک از این موارد که در بالا ذکر شد

بسم الله الرحمن الرحيم

۳۰۰ نفری در آنجا یافتند و بقیه را در راه کشته کردند و از آنجا به سوی کربلا حرکت کردند.

۱۰۰  
 ۱۰۱  
 ۱۰۲  
 ۱۰۳  
 ۱۰۴  
 ۱۰۵  
 ۱۰۶  
 ۱۰۷  
 ۱۰۸  
 ۱۰۹  
 ۱۱۰  
 ۱۱۱  
 ۱۱۲  
 ۱۱۳  
 ۱۱۴  
 ۱۱۵  
 ۱۱۶  
 ۱۱۷  
 ۱۱۸  
 ۱۱۹  
 ۱۲۰  
 ۱۲۱  
 ۱۲۲  
 ۱۲۳  
 ۱۲۴  
 ۱۲۵  
 ۱۲۶  
 ۱۲۷  
 ۱۲۸  
 ۱۲۹  
 ۱۳۰  
 ۱۳۱  
 ۱۳۲  
 ۱۳۳  
 ۱۳۴  
 ۱۳۵  
 ۱۳۶  
 ۱۳۷  
 ۱۳۸  
 ۱۳۹  
 ۱۴۰  
 ۱۴۱  
 ۱۴۲  
 ۱۴۳  
 ۱۴۴  
 ۱۴۵  
 ۱۴۶  
 ۱۴۷  
 ۱۴۸  
 ۱۴۹  
 ۱۵۰  
 ۱۵۱  
 ۱۵۲  
 ۱۵۳  
 ۱۵۴  
 ۱۵۵  
 ۱۵۶  
 ۱۵۷  
 ۱۵۸  
 ۱۵۹  
 ۱۶۰  
 ۱۶۱  
 ۱۶۲  
 ۱۶۳  
 ۱۶۴  
 ۱۶۵  
 ۱۶۶  
 ۱۶۷  
 ۱۶۸  
 ۱۶۹  
 ۱۷۰  
 ۱۷۱  
 ۱۷۲  
 ۱۷۳  
 ۱۷۴  
 ۱۷۵  
 ۱۷۶  
 ۱۷۷  
 ۱۷۸  
 ۱۷۹  
 ۱۸۰  
 ۱۸۱  
 ۱۸۲  
 ۱۸۳  
 ۱۸۴  
 ۱۸۵  
 ۱۸۶  
 ۱۸۷  
 ۱۸۸  
 ۱۸۹  
 ۱۹۰  
 ۱۹۱  
 ۱۹۲  
 ۱۹۳  
 ۱۹۴  
 ۱۹۵  
 ۱۹۶  
 ۱۹۷  
 ۱۹۸  
 ۱۹۹  
 ۲۰۰  
 ۲۰۱  
 ۲۰۲  
 ۲۰۳  
 ۲۰۴  
 ۲۰۵  
 ۲۰۶  
 ۲۰۷  
 ۲۰۸  
 ۲۰۹  
 ۲۱۰  
 ۲۱۱  
 ۲۱۲  
 ۲۱۳  
 ۲۱۴  
 ۲۱۵  
 ۲۱۶  
 ۲۱۷  
 ۲۱۸  
 ۲۱۹  
 ۲۲۰  
 ۲۲۱  
 ۲۲۲  
 ۲۲۳  
 ۲۲۴  
 ۲۲۵  
 ۲۲۶  
 ۲۲۷  
 ۲۲۸  
 ۲۲۹  
 ۲۳۰  
 ۲۳۱  
 ۲۳۲  
 ۲۳۳  
 ۲۳۴  
 ۲۳۵  
 ۲۳۶  
 ۲۳۷  
 ۲۳۸  
 ۲۳۹  
 ۲۴۰  
 ۲۴۱  
 ۲۴۲  
 ۲۴۳  
 ۲۴۴  
 ۲۴۵  
 ۲۴۶  
 ۲۴۷  
 ۲۴۸  
 ۲۴۹  
 ۲۵۰  
 ۲۵۱  
 ۲۵۲  
 ۲۵۳  
 ۲۵۴  
 ۲۵۵  
 ۲۵۶  
 ۲۵۷  
 ۲۵۸  
 ۲۵۹  
 ۲۶۰  
 ۲۶۱  
 ۲۶۲  
 ۲۶۳  
 ۲۶۴  
 ۲۶۵  
 ۲۶۶  
 ۲۶۷  
 ۲۶۸  
 ۲۶۹  
 ۲۷۰  
 ۲۷۱  
 ۲۷۲  
 ۲۷۳  
 ۲۷۴  
 ۲۷۵  
 ۲۷۶  
 ۲۷۷  
 ۲۷۸  
 ۲۷۹  
 ۲۸۰  
 ۲۸۱  
 ۲۸۲  
 ۲۸۳  
 ۲۸۴  
 ۲۸۵  
 ۲۸۶  
 ۲۸۷  
 ۲۸۸  
 ۲۸۹  
 ۲۹۰  
 ۲۹۱  
 ۲۹۲  
 ۲۹۳  
 ۲۹۴  
 ۲۹۵  
 ۲۹۶  
 ۲۹۷  
 ۲۹۸  
 ۲۹۹  
 ۳۰۰  
 ۳۰۱  
 ۳۰۲  
 ۳۰۳  
 ۳۰۴  
 ۳۰۵  
 ۳۰۶  
 ۳۰۷  
 ۳۰۸  
 ۳۰۹  
 ۳۱۰  
 ۳۱۱  
 ۳۱۲  
 ۳۱۳  
 ۳۱۴  
 ۳۱۵  
 ۳۱۶  
 ۳۱۷  
 ۳۱۸  
 ۳۱۹  
 ۳۲۰  
 ۳۲۱  
 ۳۲۲  
 ۳۲۳  
 ۳۲۴  
 ۳۲۵  
 ۳۲۶  
 ۳۲۷  
 ۳۲۸  
 ۳۲۹  
 ۳۳۰  
 ۳۳۱  
 ۳۳۲  
 ۳۳۳  
 ۳۳۴  
 ۳۳۵  
 ۳۳۶  
 ۳۳۷  
 ۳۳۸  
 ۳۳۹  
 ۳۴۰  
 ۳۴۱  
 ۳۴۲  
 ۳۴۳  
 ۳۴۴  
 ۳۴۵  
 ۳۴۶  
 ۳۴۷  
 ۳۴۸  
 ۳۴۹  
 ۳۵۰  
 ۳۵۱  
 ۳۵۲  
 ۳۵۳  
 ۳۵۴  
 ۳۵۵  
 ۳۵۶  
 ۳۵۷  
 ۳۵۸  
 ۳۵۹  
 ۳۶۰  
 ۳۶۱  
 ۳۶۲  
 ۳۶۳  
 ۳۶۴  
 ۳۶۵  
 ۳۶۶  
 ۳۶۷  
 ۳۶۸  
 ۳۶۹  
 ۳۷۰  
 ۳۷۱  
 ۳۷۲  
 ۳۷۳  
 ۳۷۴  
 ۳۷۵  
 ۳۷۶  
 ۳۷۷  
 ۳۷۸  
 ۳۷۹  
 ۳۸۰  
 ۳۸۱  
 ۳۸۲  
 ۳۸۳  
 ۳۸۴  
 ۳۸۵  
 ۳۸۶  
 ۳۸۷  
 ۳۸۸  
 ۳۸۹  
 ۳۹۰  
 ۳۹۱  
 ۳۹۲  
 ۳۹۳  
 ۳۹۴  
 ۳۹۵  
 ۳۹۶  
 ۳۹۷  
 ۳۹۸  
 ۳۹۹  
 ۴۰۰  
 ۴۰۱  
 ۴۰۲  
 ۴۰۳  
 ۴۰۴  
 ۴۰۵  
 ۴۰۶  
 ۴۰۷  
 ۴۰۸  
 ۴۰۹  
 ۴۱۰  
 ۴۱۱  
 ۴۱۲  
 ۴۱۳  
 ۴۱۴  
 ۴۱۵  
 ۴۱۶  
 ۴۱۷  
 ۴۱۸  
 ۴۱۹  
 ۴۲۰  
 ۴۲۱  
 ۴۲۲  
 ۴۲۳  
 ۴۲۴  
 ۴۲۵  
 ۴۲۶  
 ۴۲۷  
 ۴۲۸  
 ۴۲۹  
 ۴۳۰  
 ۴۳۱  
 ۴۳۲  
 ۴۳۳  
 ۴۳۴  
 ۴۳۵  
 ۴۳۶  
 ۴۳۷  
 ۴۳۸  
 ۴۳۹  
 ۴۴۰  
 ۴۴۱  
 ۴۴۲  
 ۴۴۳  
 ۴۴۴  
 ۴۴۵  
 ۴۴۶  
 ۴۴۷  
 ۴۴۸  
 ۴۴۹  
 ۴۵۰  
 ۴۵۱  
 ۴۵۲  
 ۴۵۳  
 ۴۵۴  
 ۴۵۵  
 ۴۵۶  
 ۴۵۷  
 ۴۵۸  
 ۴۵۹  
 ۴۶۰  
 ۴۶۱  
 ۴۶۲  
 ۴۶۳  
 ۴۶۴  
 ۴۶۵  
 ۴۶۶  
 ۴۶۷  
 ۴۶۸  
 ۴۶۹  
 ۴۷۰  
 ۴۷۱

مرشدی علی بن ابی طالب علیه السلام و علی بن ابی طالب علیه السلام

[illegible]

الحمد لله الذي جعل في هذا الكتاب منافع كثيرة

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

مجلسه اول در تاریخ ۱۳۰۲/۱۰/۱۵

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

Year	1900	1901	1902	1903	1904	1905	1906	1907	1908	1909	1910	1911	1912	1913	1914	1915	1916	1917	1918	1919	1920	1921	1922	1923	1924	1925	1926	1927	1928	1929	1930	1931	1932	1933	1934	1935	1936	1937	1938	1939	1940	1941	1942	1943	1944	1945	1946	1947	1948	1949	1950	1951	1952	1953	1954	1955	1956	1957	1958	1959	1960	1961	1962	1963	1964	1965	1966	1967	1968	1969	1970	1971	1972	1973	1974	1975	1976	1977	1978	1979	1980	1981	1982	1983	1984	1985	1986	1987	1988	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032	2033	2034	2035	2036	2037	2038	2039	2040	2041	2042	2043	2044	2045	2046	2047	2048	2049	2050	2051	2052	2053	2054	2055	2056	2057	2058	2059	2060	2061	2062	2063	2064	2065	2066	2067	2068	2069	2070	2071	2072	2073	2074	2075	2076	2077	2078	2079	2080	2081	2082	2083	2084	2085	2086	2087	2088	2089	2090	2091	2092	2093	2094	2095	2096	2097	2098	2099	2100
Population	1,000,000	1,050,000	1,100,000	1,150,000	1,200,000	1,250,000	1,300,000	1,350,000	1,400,000	1,450,000	1,500,000	1,550,000	1,600,000	1,650,000	1,700,000	1,750,000	1,800,000	1,850,000	1,900,000	1,950,000	2,000,000	2,050,000	2,100,000	2,150,000	2,200,000	2,250,000	2,300,000	2,350,000	2,400,000	2,450,000	2,500,000	2,550,000	2,600,000	2,650,000	2,700,000	2,750,000	2,800,000	2,850,000	2,900,000	2,950,000	3,000,000	3,050,000	3,100,000	3,150,000	3,200,000	3,250,000	3,300,000	3,350,000	3,400,000	3,450,000	3,500,000	3,550,000	3,600,000	3,650,000	3,700,000	3,750,000	3,800,000	3,850,000	3,900,000	3,950,000	4,000,000	4,050,000	4,100,000	4,150,000	4,200,000	4,250,000	4,300,000	4,350,000	4,400,000	4,450,000	4,500,000	4,550,000	4,600,000	4,650,000	4,700,000	4,750,000	4,800,000	4,850,000	4,900,000	4,950,000	5,000,000	5,050,000	5,100,000	5,150,000	5,200,000	5,250,000	5,300,000	5,350,000	5,400,000	5,450,000	5,500,000	5,550,000	5,600,000	5,650,000	5,700,000	5,750,000	5,800,000	5,850,000	5,900,000	5,950,000	6,000,000	6,050,000	6,100,000	6,150,000	6,200,000	6,250,000	6,300,000	6,350,000	6,400,000	6,450,000	6,500,000	6,550,000	6,600,000	6,650,000	6,700,000	6,750,000	6,800,000	6,850,000	6,900,000	6,950,000	7,000,000	7,050,000	7,100,000	7,150,000	7,200,000	7,250,000	7,300,000	7,350,000	7,400,000	7,450,000	7,500,000	7,550,000	7,600,000	7,650,000	7,700,000	7,750,000	7,80																																																																

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

*[Faint handwritten notes and a large diagonal strike-through mark across the page.]*

١٢٧٠

1847

[illegible][illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.














بسم الله الرحمن الرحيم

1	2	3	4
5	6	7	8
9	10	11	12
13	14	15	16

هذا هو الجدول الأول



هذا هو الجدول الثاني

17	18	19	20
21	22	23	24
25	26	27	28
29	30	31	32

هذا هو الجدول الثالث

33	34	35	36
37	38	39	40
41	42	43	44
45	46	47	48

هذا هو الجدول الرابع

49	50	51	52
53	54	55	56
57	58	59	60
61	62	63	64

هذا هو الجدول الخامس

65	66	67	68
69	70	71	72
73	74	75	76
77	78	79	80

هذا هو الجدول السادس

81	82	83	84
85	86	87	88
89	90	91	92
93	94	95	96

هذا هو الجدول السابع

97	98	99	100
101	102	103	104
105	106	107	108
109	110	111	112

هذا هو الجدول الثامن

113	114	115	116
117	118	119	120
121	122	123	124
125	126	127	128

هذا هو الجدول التاسع

129	130	131	132
133	134	135	136
137	138	139	140
141	142	143	144

هذا هو الجدول العاشر

145	146	147	148
149	150	151	152
153	154	155	156
157	158	159	160

هذا هو الجدول الحادي عشر

161	162	163	164
165	166	167	168
169	170	171	172
173	174	175	176

هذا هو الجدول الثاني عشر

177	178	179	180
181	182	183	184
185	186	187	188
189	190	191	192

هذا هو الجدول الثالث عشر

193	194	195	196
197	198	199	200
201	202	203	204
205	206	207	208

هذا هو الجدول الرابع عشر

209	210	211	212
213	214	215	216
217	218	219	220
221	222	223	224

هذا هو الجدول الخامس عشر

225	226	227	228
229	230	231	232
233	234	235	236
237	238	239	240

هذا هو الجدول السادس عشر

241	242	243	244
245	246	247	248
249	250	251	252
253	254	255	256

هذا هو الجدول السابع عشر

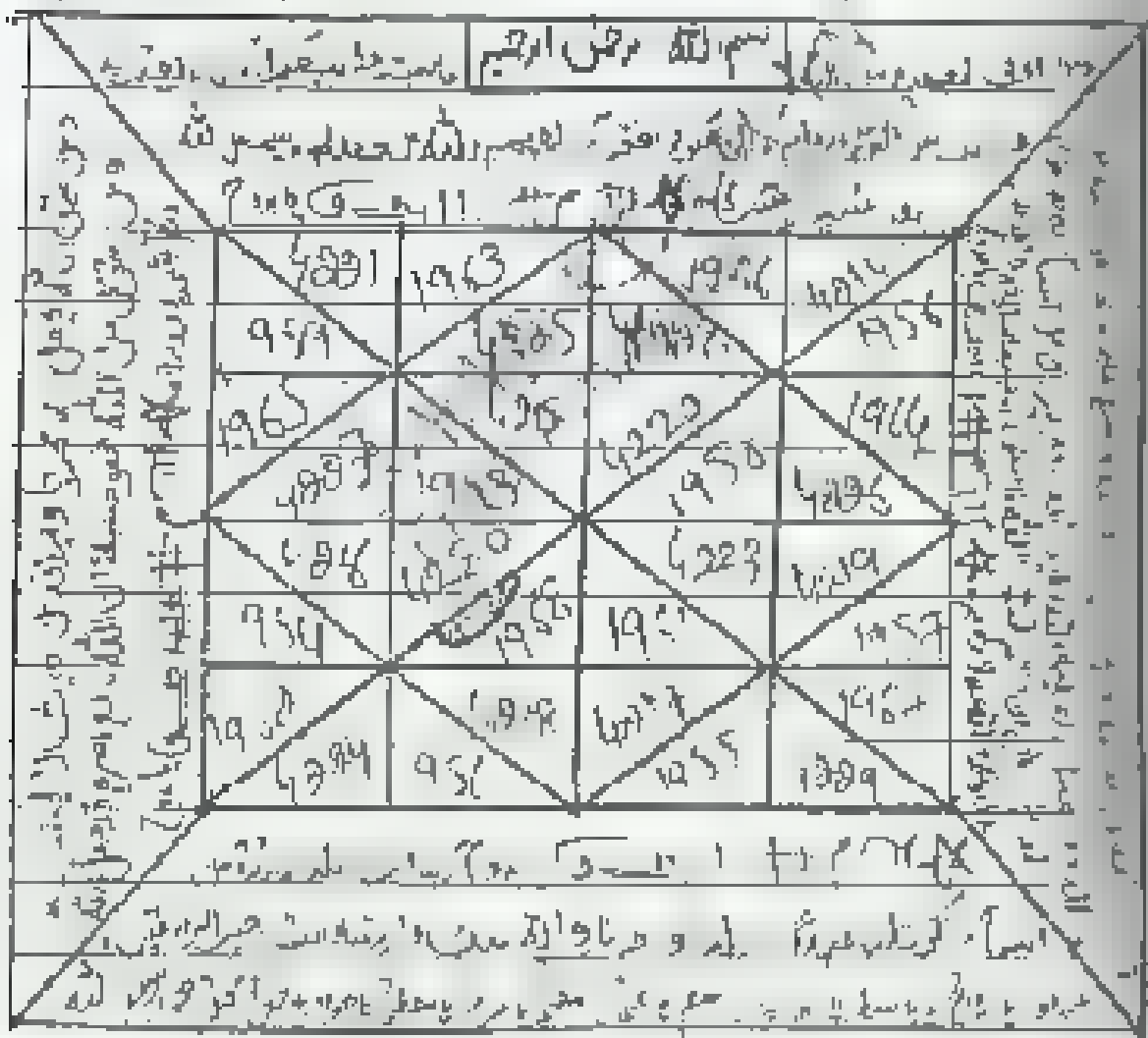
257	258	259	260
261	262	263	264
265	266	267	268
269	270	271	272

هذا هو الجدول الثامن عشر

273	274	275	276
-----	-----	-----	-----

# مثال برکت و کثرت ثمرات

در این روش عددی که در این کتاب مذکور است هر عددی که در این روش  
 درج شده است در هر یک از این روشها در هر یک از این روشها











# فنون حفاظت سرخاوی

سرخاوی خن آسپ نظر بیدار حفاظت اور دیکھا میں کھیا لی اور مرقی کھیرے  
 ہنر فیکٹ اس فن میں دیکھا ہے عرب البس و علی الکاف سورہ منزل درہ شغلات  
 اس فن میں سرخاوی علم السور کے ایدر شامل ہیں جس میں ۱۰ الین یا علم و ہر صبی  
 گبر کھار ہر مرقی کہ امر لکھا میں عرب البر فن ہے

سرخاوی خن آسپ نظر بیدار حفاظت اور دیکھا میں کھیا لی اور مرقی کھیرے

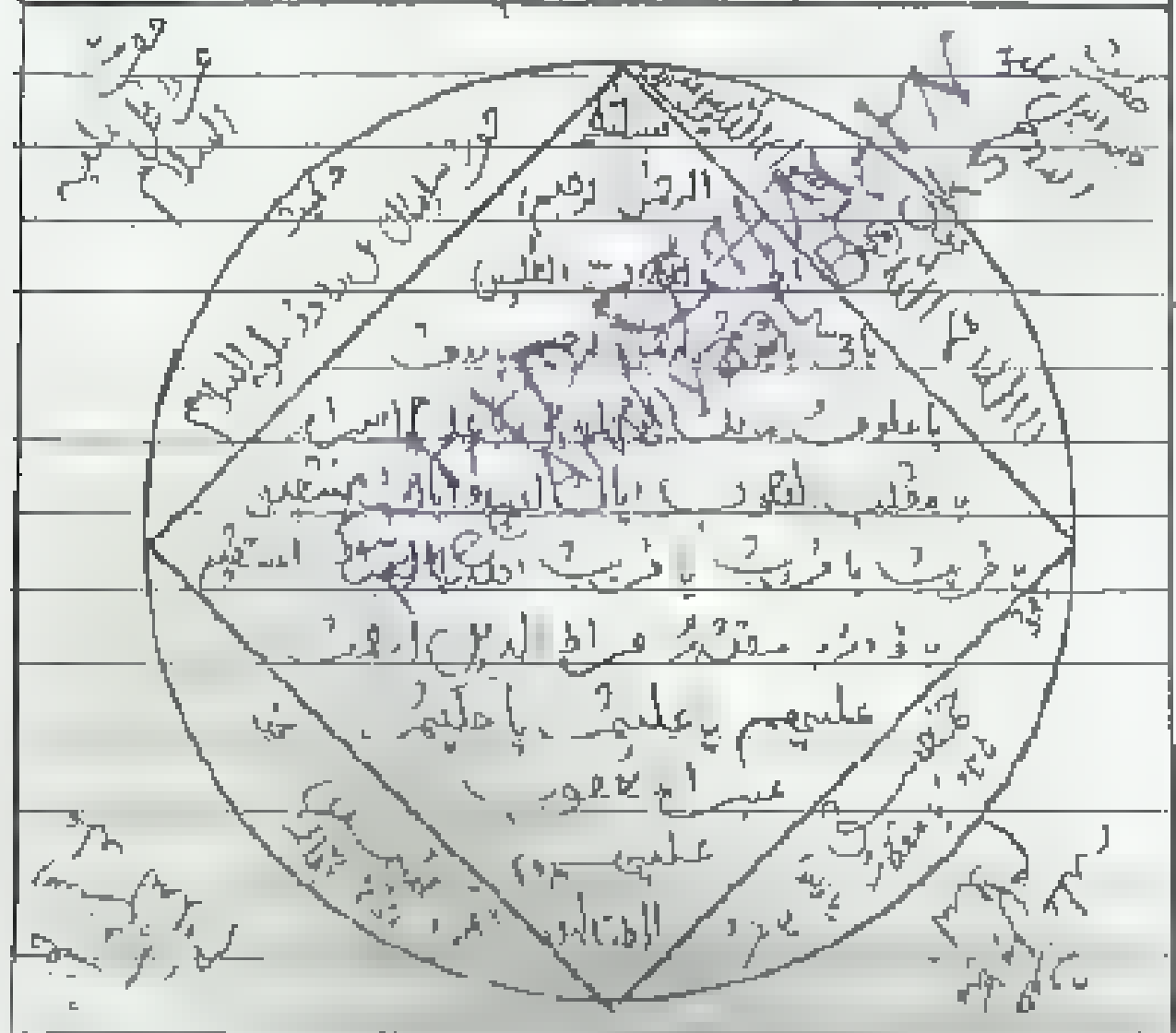
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷
۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷	۱۷۱۵	۱۵۵۷

۱۷۱۵ ۱۵۵۷ ۱۷۱۵ ۱۵۵۷ ۱۷۱۵ ۱۵۵۷ ۱۷۱۵ ۱۵۵۷

# عملی حصول حاجات

ہر قسم کی دینی امور کو جیسا کہ یا دعائی حاجات کے حصول کے لیے ہر قسم اور ہر  
اندھ کو عملی اور عقلی یا کتب کی اور عقول و دل سے ہر قسم نقش و کلام  
دیکھ کر افضل خدا پر حاجات کے حصول کے لیے ہر قسم اور ہر قسم

بسم اللہ الرحمن الرحیم







مجلس

۱۰۱. هر چه در این کتاب است بحکمست مشایخ و بزرگان و علمای

مولا! پیوستہ ایلی مجرب اور اعلیٰ عمل اس تصویر کے

المسألة الأولى

مفتی: یہ ہے کہ وہ انہیں کوڑے سے ہیں مستحضر ہیں۔

قسم الشؤون الدينية

بسم الله الرحمن الرحيم

١٠٠٠

[illegible][illegible]

१७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥





بسم الله الرحمن الرحيم

[illegible]





علی دین محمد

Date 12/13/2011

[illegible]

بسم الله الرحمن الرحيم

30096	30099	30097	30094
10000	30090	30095	10000
10000	30094	30097	10000
30098	30093	30099	30092

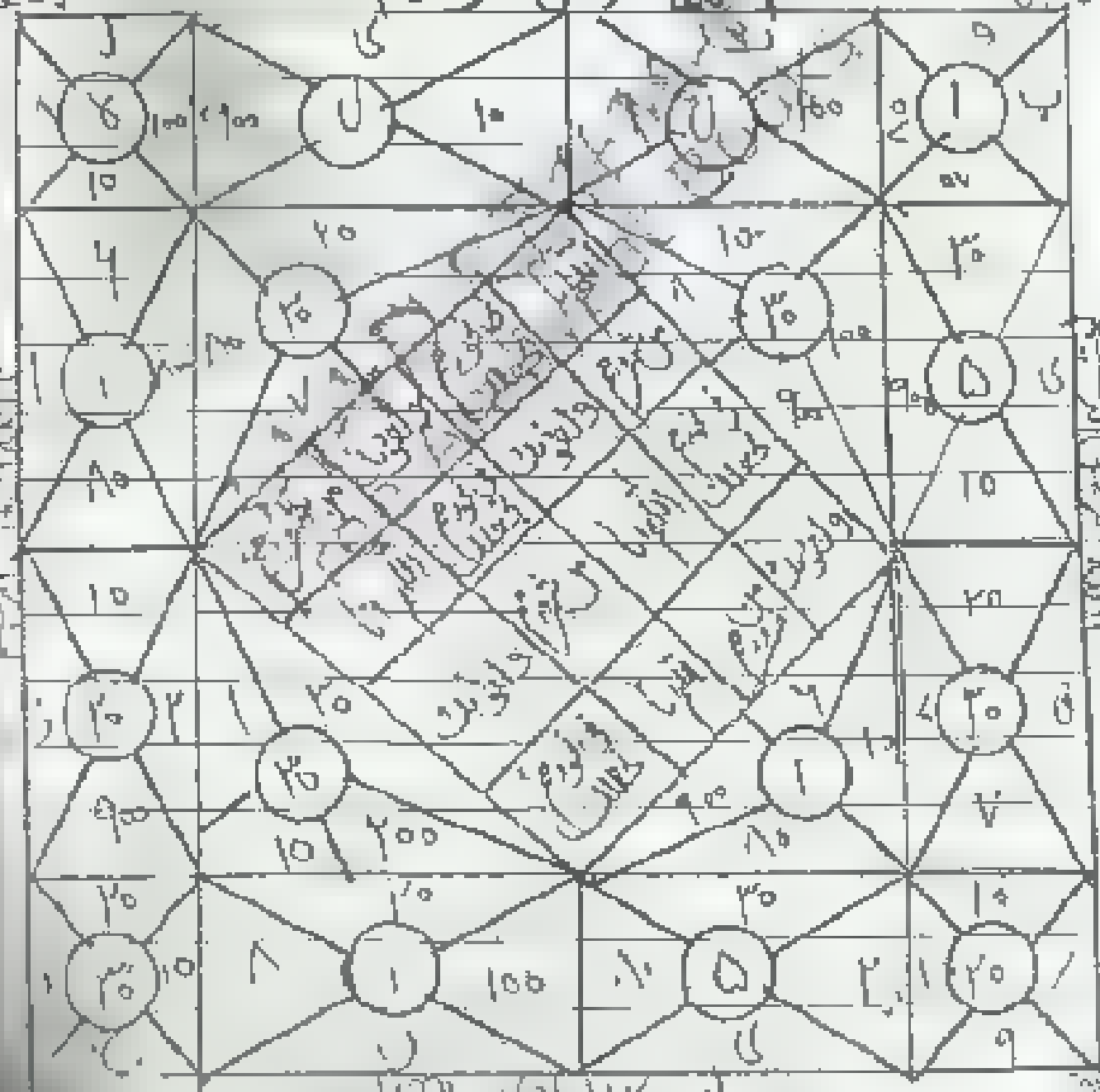
Handwritten text in the center of the diamond:

بسم الله الرحمن الرحيم  
 احيى ميتاً من افق الدود  
 دو الرشد عبد فخر الدين  
 750 ربيع فرديت لو معي اذ فخر الدين  
 كذا بعد خاتمة  
 بسم الله الرحمن الرحيم



# عمل دفع دشمنان حسین

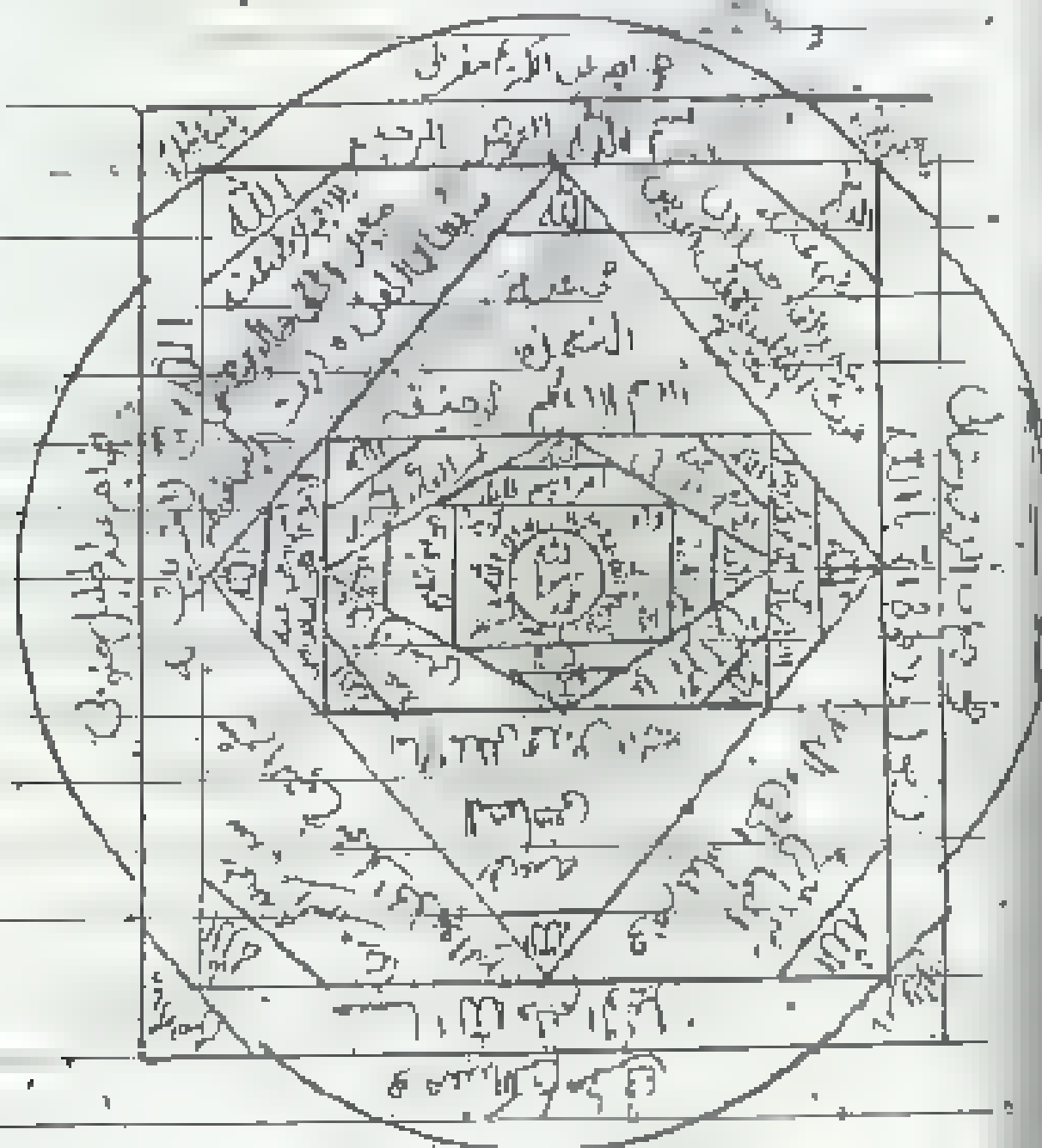
پرفتن در جمع اعدای عالم و فامیر و شریک سب حفاظت واجب اس یکم بر این  
 پاس رکعت دهنوا سے نجات مہ کی ہر شہر ہر عالم دجا میر  
 حفاظت در بیگمکان و مکان و منیر و لکنا ناہی و عدید سے پرفتن کا  
 مؤثر کہ مجاہد سے باہر اسما سے برائی اللہ و کبریا حافظ می  
 حبیب اور دعا اللہ انا للہ وانا الیہ راجعون ناغ اور مجرب الفتن سے  
 یا وکیل سبحان اللہ الرحمن الرحیم یا





نفس مہربان سے تقاضا جائے

میں نے جہاں کہ میرا جہاں اور میرا گھر ہے یہ لکھ کر اپنے پاس رکھا اور  
دُکھ نامہ جہاں میں فرما کر دیکھا کہ ہندو میں خلیفہ برکت (اور فرقی  
ازرقی) کے لیے مجھ پر اور ہندو میں شفا کے لیے مجھ پر کتب جو کہی جاتی  
ہندو میں جس جہاں کہ ان میں ہر جہاں برکت اور پناہ ہوگی وہ چھوڑا  
جہاں کہ وہ سب مجھ پر محفوظ رہے انشاء اللہ



1. مستحق قتل ہے (بشموع حاجات)
2. یہ علی قرآن مجید زمانہ جدید میں موجود ہے آیت اللہ الطیف کا بیٹہ قرآن مجید میں نہیں ہے بلکہ چار آیت اللہ ہیں
3. لا تدركه الا بعدة وهو يدرك الاولاد وهو الطيف الطيف
4. انزلني لطيف لما يشاء الله هو العظيم الحكيم (سورة النجم)
5. الله لطيف بعباده يرزق من يشاء وهو الغني الغني
6. لا العلم من ملق وهو الطيف الطيف (سورة ملك)

آیت 1۔ دشمن و ظالم کے خوف سے فی انی ہے یہ

آیت 2۔ شہر و غم رنج و الم اور ہمتی کے دفع کے لیے

آیت 3۔ کشت مال رزقی حصول دولت مغفرت و عفو اور اس کے لیے جس کے گناہوں کو ڈیرا دے گا اس کے لیے اکثری و مجرب ہے

آیت 4۔ حصول مراد رزقی منصب و عہدہ حصول ملازمت کے واسطے مجرب ہے



# نقش آیات لطیف

Slama No

Date

اسم شریف

بسم الله الرحمن الرحيم

و انما المراد بالاسماء هو الاءات الالهية و هو بارئ الخلق

الاسماء  
الطاهرة

141	871	155	325
454	146	388	958
375	988	642	128
121	597	403	197
784	538	173	161
322	647	191	139
1100	590	94	602
176	640	988	577
973	138	983	126

الاسماء  
الطاهرة

الاسماء  
الطاهرة

و انما المراد بالاسماء هو الاءات الالهية و هو بارئ الخلق



# عمل مندرجہ ذیل

Memo No.  
Date

یہ عمل صدر کابینہ میں کیا گیا جس کی مشورہ پر علیحدہ ذیل عدد کے مخالف ممبروں کی دستخطوں کے  
بے جواب طور پر لا اشرع۔ ممبروں اس کا تفسیر کر لیا اور اس کے بغیر اس کے  
اور ان میں سے بعض میں عدم تصدیق کے اظہار و جوابات جمع کیے گئے اس لئے کہ یہ

$$= 4 \div 30 - 684 = \text{لنڈی}$$

$$= 4 \div 30 - 5859 = \text{احد اعداد سورۃ البقرہ}$$

$$= 4 \div 30 - 8311 = \text{رقی سورۃ قدر}$$

$$= 4 \div 30 - 18893 = \text{رقی سورۃ الفتح}$$

$$= 4 \div 30 - 66075 = \text{رقی سورۃ بقرہ}$$

875197

810

- 876007

30

- 815977

41

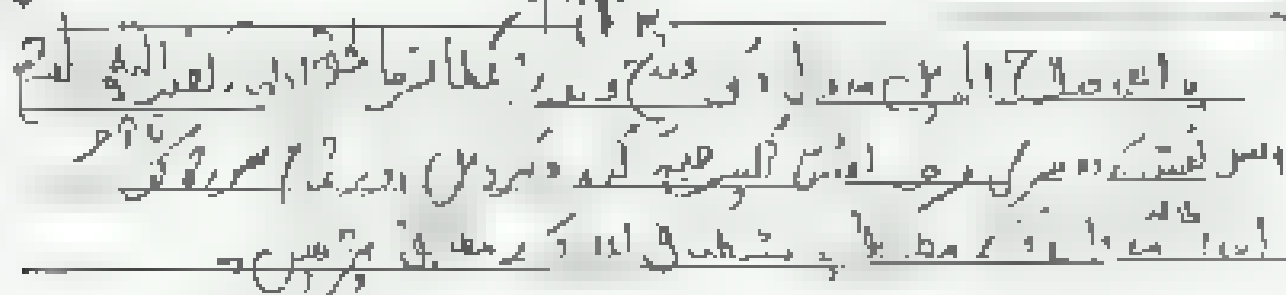
- 88994

حاصل صحت =

سید امام خاں نقوی

کے دست و سر پر ہیں کہ سورۃ کے اعداد کے حوالی البتہ ہیں جو  
نفسیہ بننے اس میں اس مجموعہ کا نقش کردہ ہے

نفسیہ عمل (مکملہ صوفیہ)



لِخَفَاةِ إِيْمَانِهِ وَبُحْبُوحِ الْإِلَهِيَّةِ

اس نفل کا حاصل محض اللہ رب العزت سے کہرا اور حفا ظنت سے  
ذیہ اشتہار اور عام و خاص میں مقبول اور قبول العمل ہوگا  
دعوت الی محبت اور شفقت سے ہیں اہل اور ہر شخص کو  
کے لئے عمل مبارک ہے۔

بسم الله الرحمن الرحيم

[illegible]



# عمل حصول طالب بین کار

اگر نقش بیادک کا حامل جو سوگنا اُس کو بیادک میں نشان  
کار حاصل سوگنا یہ عمل اسرار الخالق میں ہے۔ انشا اللہ عامل  
نقش سے تمام اسرار و معانی میں کامیابی اور طالب تمام کا  
حصول ہے۔ اور عظیم نقش ہے۔

بسم اللہ الرحمن الرحیم

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ترکیب عمل

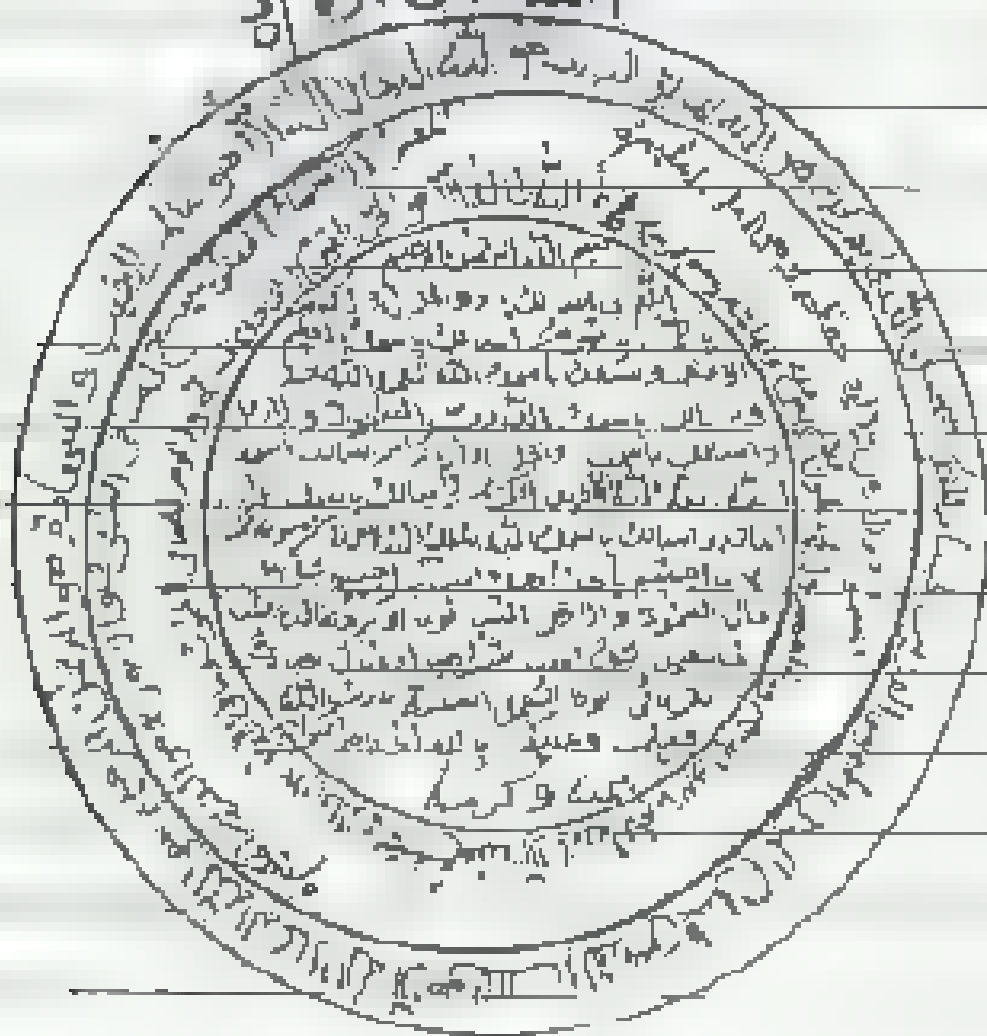
س (نقش مکتوب) کو ایک درخت کے شاخوں پر لٹکا کر اس کا رقص  
و رقص کرنا ہے۔ اس سے دل و جان پور ہو جائے گا۔

مجلس اول

# مکتبہ خیریت

یہ وہ مکتبہ ہے جس میں علم و معرفت عین علم و معرفت کے ساتھ  
 اور اپنا بیجوں اور کھجوروں کا علاج کرتے ہیں جو شخص اس کے خفاصل و دیگر  
 کو سمجھ اس کو مایوس کرنا اہل اور شریعت سے محفوظ رکھ کر علم و معرفت  
 مبارک عقائد اور کتب میں رہے کہ وہیں نفع کرنا ہے جو شخص میں  
 روز سے رکھ اور اس میں آیت مبارکہ کہ میں ان کے علم پر علم سے بہتر نہیں  
 سے کہہ کر نظر یا علم قادر و واسطی کے لیے لکھا ہے اثر نازل ہو اور ایک  
 رعایت ہے کہ یہ شخص کے روز طہارت اور روزہ کے ساتھ دیگر اہل علم  
 میں سے ایک تو بہت کچھ مطلب حاصل ہو

بسم الله الرحمن الرحيم





عبد الرحمان جادو

اگر کسی پر صحر جادو کر دیا گیا ہو اور اس کو دفع کرنے کے لیے یہ عمل بہت محنت اور سہولت لا کر ہے بہ لفتش اللہ دیکھیں ایک لفتش اللہ میں ۳ الہی ایک تیل میں اخی، اخی، اخی، اخی، اخی، اخی اور تیل کی مالش کریں حکم خدا (پیشہ) صحر جادو دفع ہوگا۔

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

[illegible][illegible]

الرد على كلبا في صلات

استاذ في علم النفس

میرفتن جوارک ایمان شمس حیات کی عینیت رکھتے ہیں۔ کہیں بھی جہنم سے محفوظ  
جا رہے ہیں۔ اگر شریعت یا اس کے احکام سے غافل ہو جائیں تو جہنم سے محفوظ نہ رہیں۔  
یہ سب اس لئے ہے کہ جہنم سے محفوظ رہیں۔ خدا اور مولا کے ہاتھوں سے جہنم سے محفوظ رہیں۔  
تو سب کی خوشی ہوگی۔ مولا و مہدی علیہ السلام سے جہنم سے محفوظ رہیں۔ مولا و مہدی علیہ السلام سے جہنم سے محفوظ رہیں۔  
وہی ہے اللہ شفاء و شفا دہ۔ انہی سے جہنم سے محفوظ رہیں۔ مولا و مہدی علیہ السلام سے جہنم سے محفوظ رہیں۔  
بسم اللہ الرحمن الرحیم

[illegible]



Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

Memo No.

Date

میزانِ عینِ حقیقت علیٰ روحِ فانی و حبیب

اگر کسی شخص کے دل میں کسی خاص عورت کی محبت و خواہش پھرتی ہے  
تو اور اس کے دل کا کونسا پروردگار ہو اور چاہے کہ اس کو صبر آجائے اور اس  
کے دل میں اس کا خیال نہ آئے تو اس عمل کو نہیں دل تک سلامت اصل  
میں اپنی پہیلی پا کر ہی میں ہو کر نیکو نہ جارت ہے جو اس کا محبوب ہے  
سے دل سے قبول جارت ہے اور کسی یا دل میں نہ آئے گی۔ عجب عمل ہے۔

بسم اللہ الرحمن الرحیم

۱۔	بسم اللہ الرحمن الرحیم
و مثل الیوم	بسم اللہ الرحمن الرحیم
ونس کا قدیم	بسم اللہ الرحمن الرحیم
قبل فشی	بسم اللہ الرحمن الرحیم
یعنی	بسم اللہ الرحمن الرحیم

فلان بن فلان کی فکر نام مطلوب اور اس کی  
ماں کا کہیں اور کہہ اور کذا کی بجائے اپنا مفہود  
کہیں از خود عجب عمل ہے





Free Amthyaen Books PDF

پیشکش : سعد الرحمن